पश्चिम एशिया के संकट का असर

मार्च में थमी एनएफओ की रफ्तार

अभिषेक कुमार
मुंबई, 25 मार्च

अमेरिका-ईरान संघर्ष की आंच म्युचुअल फंडों तक भी पहुंच गई है। बिगड़े हालात ने म्युचुअल फंड कंपनियों को नई योजनाएं बाजार में उतारना टाल दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने लगभग दो दर्जन योजनाओं को मंजूरी दे रखी है। मगर मार्च में अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओ) ही आई हैं।

पिछले दो सप्ताहों में पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने के साथ ही नई योजनाओं के आने की रफ्तार खास तौर पर कम हो गई। सेबी की वेबसाइट पर फाइलिंग में भी हाल के सप्ताहों में भारी गिरावट देखी गई है। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज सौंपे हैं जबकि पहले दो सप्ताहों में 19 योजनाओं के लिए दस्तावेज दिए गए थे।

आम तौर पर मार्च में नई योजनाओं की रफ्तार कम रहती है क्योंकि यह समय वित्त वर्ष की समाप्ति का होता है। लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने और शेयर बाजार में मंदी के चलते नए फंडों (एनएफओ) के लिए यह समय माकूल नहीं रह गया है।

म्युचुअल फंड उद्योग से जुड़े एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने कहा, 'मार्च आम तौर पर नकदी के लिहाज से तंगी का होता है। इस दौरान आम तौर पर ज्यादा एनएफओ नहीं आते। इस साल पश्चिम एशिया में बिगड़े हालात से स्थिति और जटिल हो गई है। कम एनएफओ का मतलब यह है कि फंड कंपनियां हालात सामान्य होने का इंतजार कर रही हैं क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, मुद्रास्फीति और ब्याज दरों को लेकर चिंताओं के कारण निवेशक सतर्क हैं।'

बिनय सिन्हा

न्यू फंड ऑफर

- मार्च में केवल 9 इक्विटी योजनाएं ही आ पाईं बाजार में
- सेबी ने लगभग दो दर्जन योजनाओं को मंजूरी दे रखी है
- इस महीने नई योजनाओं की रफ्तार वैसे भी रहती है कम

अमेरिका-ईरान संघर्ष अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इस वजह से भारतीय शेयर बाजारों पर दबाव और बढ़ गया है, जो पिछले 18 महीने से पहले ही भारी बिकवाली का शिकार रहे हैं। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों के विश्वास को कमजोर किया है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। मार्च में निफ्टी-50 अब तक लगभग 9 प्रतिशत गिर चुका है। इस गिरावट का असर म्युचुअल फंड निवेशकों पर भी पड़ा है। इस कारण उन निवेशकों में बेचैनी है जिन्होंने हाल के वर्षों में शेयर बाजार में निवेश किया है और पहली बार अस्थिरता के लंबे दौर का सामना कर रहे हैं।

एक अन्य म्युचुअल फंड कंपनी के अधिकारी के अनुसार ऐसे हालात में वितरक भी नई योजनाओं को बेचने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा,'वितरक निवेशकों में थोड़ी घबराहट देख रहे हैं क्योंकि स्थिति किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर स्पष्टता नहीं है। हालांकि, निवेशकों ने गिरावट का फायदा उठाते हुए कुछ पैसा लगाया है मगर नई फंड योजनाएं लाने का यह सबसे अच्छा समय नहीं है। कुछ स्थिरता आने तक इंतजार करना बेहतर है।'

नई निवेश योजनाओं में गिरावट का सीधा असर बाजार के शुद्ध निवेश पर पड़ता है क्योंकि नई योजनाएं एकमुश्त निवेश का मुख्य स्रोत होती हैं। पूर्व म्युचुअल फंड सीईओ और वर्तमान में सेंस ऐंड सिम्प्लिसिटी के संस्थापक एवं सीईओ सुनील सुब्रमण्यम ने कहा कि मार्च में नई योजनाओं की संख्या में गिरावट के अन्य कारण भी हो सकते हैं।

उन्होंने कहा,'अनिश्चितता के दौर में निवेशकों का भरोसा कम होने से नई निवेश योजनाओं में मंदी आना सामान्य बात है। इसके अलावा, मार्च महीने में बैंक और राष्ट्रीय वितरक जैसे बड़े वितरण चैनल अपने सालाना लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बीमा योजनाओं की बिक्री पर अधिक ध्यान देते हैं। इस वजह से मार्च के दौरान फंडों की नई निवेश योजनाओं के आने की रफ्तार घट जाती है।' बाजार में गिरावट का असर सिर्फ एनएफओ तक ही सीमित नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह आईपीओ के लिए भी उथल-पुथल भरे रहे हैं।

इसी महीने के शुरू में फोनपे ने घोषणा की थी कि उसने अपना आईपीओ अस्थायी रूप से टाल दिया है। पहले कंपनी मार्च के अंत में अपना आईपीओ लाने वाली थी। गिफ्ट-आईएफएससी के पहले आईपीओ एक्सईडी को भी खाड़ी संकट के कारण अपनी योजना में फेरबदल करना पड़ा है।

सवाल जवाब

एफआईआई का आवंटन बहुत जल्द बदलने की संभावना नहीं

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के बीच शेयर बाजार के निवेशकों के लिए मार्च भूलने लायक रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज़ में प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज) रजत राजगढ़िया ने ईमेल इंटरव्यू में पुनीत वाधवा को बताया कि निवेशकों को ऐसे समय में इक्विटी में निवेश करना चाहिए। संपादित अंश...

एक परिसंपत्ति वर्ग के तौर पर इक्विटी से मिलने वाला रिटर्न हाल के समय में बहुत अच्छा नहीं रहा है। तो फिर किसी को इस परिसंपत्ति वर्ग में क्यों बने रहना चाहिए?

एक परिसंपत्ति वर्ग के तौर पर इक्विटी समय के साथ रिटर्न देती है। यह हर साल एक जैसा रिटर्न नहीं देती, लेकिन अगर आप इसे लंबे समय तक इसे अपने पास रखते हैं तो यह मज़बूत रिटर्न जरूर देती है। अगर कोई निवेशक आज के समय में इक्विटी पोर्टफोलियो बनाता है तो अनुकूल कीमतों के माहौल की वजह से एक समय बाद रिटर्न और भी बेहतर हो जाता है। ऐतिहासिक रूप से इस तरह के समय में इक्विटी में निवेश करने पर हमेशा मजबूत रिटर्न मिला है।

क्या आपको लगता है कि भारतीय बाजार वापसी करने से पहले धीरे-धीरे मंदी के दौर में जा सकते हैं?

पिछले कुछ महीनों में बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस गिरावट के पीछे के कई कारण वैश्विक हैं। हाल की गिरावट से पहले भी हमारे बाजार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे थे और पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण इनमें और गिरावट आई है। पहले भी, जब भी बाजार ऐसे कारणों से गिरे हैं तो जैसे ही वे कारण खत्म हुए हैं, बाज़ार ने तेजी से वापसी की है। हम कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। भाव भी उचित हैं। ऐसे समय में, निवेशकों को इक्विटी में निवेश पर विचार करना चाहिए।

अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों मसलन इक्विटी, कमोडिटी, डेट और रियल एस्टेट में से अगले 12 महीने के नजरिये से भारतीय निवेशकों के लिए मुनाफा देने वाला अगला वर्ग कौन सा हो सकता है?

डेट से मिलने वाला रिटर्न स्थिर और अनुमानित होता है। लेकिन यह उस रिटर्न की बराबरी नहीं कर पाता जो इक्विटी लंबे समय में देती है। कमोडिटीज, खासकर सोने और चांदी ने पिछले 18 महीनों में बहुत शानदार रिटर्न दिया है और उनके इस प्रदर्शन को दोहराने की संभावना कम है। आज हम जिस स्तर पर खड़े हैं, वहां से इक्विटी ही पसंदीदा परिसंपत्ति वर्ग होनी चाहिए। जैसे-जैसे कमाई में बढ़ोतरी होगी और वैश्विक घटनाएं शांत होंगी, भारत में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का अच्छा निवेश आने की उम्मीद है, साथ ही घरेलू निवेश भी जारी रहेगा। इससे प्रदर्शन को और भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

क्या निवेशकों को लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप को प्राथमिकता देनी चाहिए?

भारतीय बाजारों में समय और कीमत दोनों में सुधार देखने को मिला है। 2025 में जिन सेक्टर/शेयर का मूल्यांकन बहुत ज्यादा था, उनमें भी अब तेज गिरावट आई है। जैसे-जैसे भारत की प्रगति की कहानी आगे बढ़ रही है, हमें उन सेक्टर या कंपनियों पर ध्यान देना चाहिए जहां वृद्धि की संभावनाएं ज्यादा हैं। बिजनेस में कई बदलाव हो रहे हैं और हर सेक्टर में मुनाफा हो रहा है। जरूरी यह है कि हम वृद्धि वाले सेक्टरों में अग्रणी कंपनियों के साथ बने रहें। कई मिडकैप शेयर शुरुआती निवेश का अच्छा मौका मुहैया करा रहे हैं, जहां ऐसे बिजनेस आकार ले रहे हैं जो अगले पांच साल तक दो अंकों में मजबूत वृद्धि बनाए रख सकते हैं।

2026 की बाकी अवधि के लिए भारत समेत उभरते बाजारों में एफआईआई निवेश को लेकर क्या नज़रिया है?

2026 में अब तक एफआईआई निवेश बहुत ज्यादा नकारात्मक रहा है। पिछले कुछ सालों से भारत में निवेश का हिस्सा लगातार कम होता जा रहा है। तुरंत तो इसमें कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वैश्विक चिंताओं ने उभरते बाजारों के शेयरों पर और ज्यादा दबाव डाल दिया है। पश्चिम एशिया में इस युद्ध से पहले मुख्य चिंता धीमी वृद्धि और ऊंचा मूल्यांकन थी, जो धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि हमारा मानना है कि मध्यम से लंबी अवधि में जैसे-जैसे बाज़ार बढ़ेगा, कमाई में सुधार होगा और कई नए अवसर सामने आएंगे तो हमें एफआईआई का भरपूर निवेश देखने को मिलेगा।

उल्लंघन करने वाले फिनफ्लूएंसर्स पर लगाम कसेगा सेबी

खुशबू तिवारी
मुंबई, 25 मार्च

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को बताया कि नियामक ने तकनीकी दिग्गज गूगल से अपने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस टूल्स और एनफोर्समेंट उपायों को बढ़ाने के लिए कहा है ताकि वैसे फाइनैंशियल इन्फ्लुएंसर्स पर नजर रखी जा सके, जो नियमों का उल्लंघन करते हैं।

सेबी चेयरमैन ने बड़ी तकनीकी कंपनियों से यह भी आग्रह किया कि वे धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आपस में और ज्यादा तालमेल बिठाएं। पांडेय ने कहा, हालांकि नियामक ने सोशल मीडिया पर भ्रामक कंटेंट वाले एक लाख से ज्यादा लिंक हटा दिए हैं और हमने गूगल से भी अनुरोध किया है कि वे अपने एआई उपायों को सक्रिय रूप से अपनाएं और हम उन्हें इसे विकसित करने में मदद करेंगे, जिससे वे उन इन्फ्लुएंसर्स को ट्रैक कर सकें, जो हमारे नियमों का उल्लंघन करते हैं।

उन्होंने कहा, हमें अपने कानूनों और नियमों के अनुसार ऐसे साधन विकसित करने होंगे, जो इस चीज को रोक सकें और ऐसे लोगों को साइबर स्पेस से बाहर निकालने में मदद करें, जिन्हें वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये बर्बाद कर रहे हैं हैं।

पांडेय गूगल के साथ साझेदारी में 'वेरिफाइड ऐप लेबलिंग' की शुरुआत के मौके पर बोल रहे थे। यह ऐसा कदम है, जिसका मकसद निवेशकों को वैसे नकली ऐप्स से बचाना है, जो बाज़ार के मध्यस्थों का रूप धरकर उन्हें धोखा देते हैं।

गूगल प्ले स्टोर पर सेबी पंजीकृत इंटरमीडियरीज जैसे कि स्टॉक ब्रोकर्स के ऐप्स पर एक वेरिफिकेशन टिक मार्क होगा, जिससे निवेशकों को असली ऐप्स पहचानने में मदद मिलेगी। अभी तक 600 से ज्यादा ऐप्स सत्यापित किए जा चुके हैं, और यह सुविधा जल्द ही दूसरे इंटरमीडियरीज के लिए भी शुरू की जाएगी।

एमआईआई के लिए आईटी रेजिलिएंस इंडेक्स का प्रस्ताव

बीएस संवाददाता
मुंबई, 25 मार्च

बाजार नियामक सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉजिटरीज समेत मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर इंस्टिट्यूशंस के लिए आईटी रेजिलिएंस इंडेक्स शुरू करने का प्रस्ताव किया है। इसका लक्ष्य महत्त्वपूर्ण टेक्नॉलजी सिस्टम की निगरानी मजबूत बनाना है।

25 मार्च को जारी परामर्श पत्र में नियामक ने कहा कि प्रस्तावित इंडेक्स आईटी सिस्टम की सेहत और मजबूती का मानक और सिस्टम-आधारित उपाय उपलब्ध कराएगा। इससे एमआईआई समय के साथ अपने प्रदर्शन को ट्रैक कर सकेंगे और कमियों का पता लगा सकेंगे। सेबी ने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसे समान पैमानों और भारांक का सेट तैयार करना है, जिससे विभिन्न संस्थानों के बीच तुलना करना संभव हो सके। साथ ही आंतरिक प्रशासन और जोखिम निगरानी में भी सुधार हो।

सेबी ने कहा, एमआईआई के आईटी सिस्टम उनके सुचारू और

निर्बाध कामकाज का आधार हैं।

निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों के लिए ऑडिटर पूल बढ़ाया

सेबी ने निवेश सलाहकारों और अनुसंधान विश्लेषकों के सालाना अनुपालन ऑडिट करने के लिए पात्र पेशेवरों के समूह का विस्तार किया है, जिससे अब इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सदस्य भी ऐसे ऑडिट कर सकेंगे। बुधवार को जारी दो अलग-अलग परिपत्र में नियामक ने निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों के लिए अपने मास्टर सर्कुलर के प्रावधानों में संशोधन किया ताकि चार्टर्ड अकाउंटेंट और कंपनी सचिवों के साथ-साथ कॉस्ट अकाउंटेंट को भी औपचारिक रूप से इसमें शामिल किया जा सके। दोनों ही परिपत्र तुरंत लागू हो गए हैं।

यह कदम इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया की मांग के बाद उठाया गया है।

लुढ़कता रुपया 94 के करीब पहुंचा

पृष्ठ-1 का शेष

एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की खबर से जोखिम को लेकर धारणा में थोड़ा सुधार हुआ है। मगर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। महीने के आखिर में आयातकों और ट्रेडर की ओर से डॉलर की खरीदारी देखने को मिली।' उन्होंने कहा, 'एनडीएफ में परिपक्व हो रही कुछ पोजीशन से भी रुपये पर दबाव बना। भारतीय रिजर्व बैंक ने 93.98 प्रति डॉलर के स्तर पर मुद्रा बाजार में दखल दिया। 94 प्रति डॉलर के स्तर पर कड़ा प्रतिरोध देखने को मिल रहा है।' रुपये के फॉरवर्ड मार्केट में डॉलर की शुद्ध शॉर्ट पोजीशन जनवरी के आखिर तक बढ़कर 67.77 अरब डॉलर हो गई जो दिसंबर के आखिर में 62.35 अरब डॉलर थी। 1 साल से कम अवधि वाली शॉर्ट पोजीशन में करीब 3 अरब डॉलर की गिरावट आई जबकि 1 साल से ज्यादा अवधि वाली पोजीशन में करीब 9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। 0भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 728.5 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद 13 फरवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में करीब 20 अरब डॉलर घटकर 709.8 अरब डॉलर रह गया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एक नोट में बताया कि मार्च 2026 तक फॉरवर्ड बुक को ध्यान में रखते हुए विदेशी मुद्रा आयात कवर 9.2 महीनों पर चल रहा है। यह अनुमान इस आधार पर लगाया गया है कि मार्च के अंत तक मुद्रा भंडार घटकर 696 अरब डॉलर रह जाएगा और फॉरवर्ड बुक का डॉलर घाटा बढ़कर 80 अरब डॉलर हो जाएगा।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स में ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, 'शेयर बाजार में तेजी और डॉलर इंडेक्स में गिरावट के बावजूद महीने के आखिर में मांग ज्यादा होने से बोलियां ऊंची बनी रहीं। डॉलर के मुकाबले जोखिम वाली सभी संपत्तियों में तेजी देखी गई क्योंकि बाजार को उम्मीद थी कि अमेरिका-ईरान के बीच कोई समझौता हो सकता है।'

तेल में नरमी से बाजार में गरमी

पृष्ठ-1 का शेष

ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने बताया कि अमेरिका में घरेलू समर्थन की कमी, बढ़ते सैन्य खर्च, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और आने वाले मध्यावधि चुनाव जैसी वजहें इस संघर्ष की अवधि को सीमित कर सकती हैं और टकराव शायद अप्रैल से आगे न बढ़े। इसके अलावा उम्मीद है कि स्थिति सामान्य होने पर कई देश अपनी खरीद में तेजी लाएंगे और अपने पेट्रोलियम भंडार बढ़ाएंगे। इन सबका मतलब है कि इस साल कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहने की संभावना है, भले ही वे 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहें।'

बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर 2,902 शेयर बढ़त में और 1,415 गिरावट में बंद हुए। एचडीएफसी बैंक में 2.2 फीसदी की तेजी आई और सेंसेक्स की बढ़त में इसने 213 अंक का योगदान दिया।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज के सभी क्षेत्रीय सूचकांक लाभ में रहे। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा 3.5 फीसदी की तेजी आई। वैलेंटिस एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक और संस्थापक ज्योतिवर्धन जयपुरिया ने कहा, 'ईरान युद्ध के बाद से बाजार में हर दिन एक नया दिन होता है। इस सुधार का टिके रहना मौजूदा युद्ध के बातचीत से हल होने पर निर्भर करता है। लेकिन साल-दो साल के नजरिये से शेयरों में पैसा लगाने का यह एक अच्छा समय है। अगर आप युद्धों के इतिहास को देखें तो बाजार आम तौर पर युद्ध के दौरान 8 से 10 फीसदी तक गिरते हैं और एक साल बाद उनमें काफी तेजी आती है। अब शेयरों की कीमतें वाजिब स्तर पर आ गई हैं।'

ईरान लड़ाई से घटेगी होटलों की कमाई

कुछ समय की भू-राजनीतिक उथल-पुथल और कमरों के औसत किराये (एआरआर) में नरमी का असर सूचीबद्ध होटल कंपनियों की कमाई पर पड़ सकता है। जहां एक ओर घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है, वहीं विदेशी पर्यटकों के आगमन में गिरावट आ सकती है। इससे प्रीमियम श्रेणी में कमरे की दरें और ऑक्यूपेंसी दोनों ही प्रभावित हो सकती हैं। ज़्यादातर ब्रोकरेज इस सेक्टर के मध्यम अवधि के परिदृश्य को लेकर सकारात्मक बने हुए हैं। हालांकि अल्पावधि में वृद्धि और मार्जिन के रुझान इस पर निर्भर करेंगे कि लड़ाई कब तक चलती है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषको अधिदेव चट्टोपाध्याय और साईश्वर रावेकर का कहना है कि मार्च में घरेलू मांग मजबूत बनी रही, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव ने विदेश से आने वाले यात्रियों पर असर डाला है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के अनुसार लग्जरी होटलों में 30 से 50 फीसदी मेहमान विदेश से आते हैं और ये होटल बाकी होटलों की तुलना में खाने-पीने की चीजों और एमआईसीई (मीटिंग, इन्सेंटिव, कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन) से ज्यादा कमाई करते हैं। राजस्व में इनका बड़ा हिस्सा होता है। *बीएस*

IDBI BANK

[नियम 8(1)] कब्जा सूचना

8वां तल, प्लेट-बी, ब्लॉक-2, एनबीसीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स, किदवई नगर (ईस्ट), नई दिल्ली-110023, फोन : 011-69297100

चूंकि, अधोहस्ताक्षरी आईडीबीआई बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002(2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 की धारा 13(12) के सहपठित नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग में, दिनांक **08.01.2026** को मांग सूचना जारी करते हुए कर्जदार **सत्या काम शर्मा** और **प्रियंका बेनर्जी** को सूचना में उल्लेखित **रुपये 2,27,88,119/- (रुपये दौ करोड़ सत्ताईस लाख अट्ठासी हजार एक सौ उन्नीस मात्र)** 09.12.2025 तक संग उस पर कानूनी व्ययों सहित उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने की मांग की गई है।

कर्जदारों देय राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, कर्जदारों और आम जनता को एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस **19 मार्च, 2025** को निम्न वर्णित संपत्ति पर कब्जा प्राप्त कर लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों और आम जनता को एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे उक्त संपत्ति के साथ किसी प्रकार का लेनदेन न करें और उनके द्वारा किया गया किसी भी प्रकार का लेनदेन देय राशि **पये 2,27,88,119/- (रुपये दौ करोड़ सत्ताईस लाख अट्ठासी हजार एक सौ उन्नीस मात्र)** 09.12.2025 तक उस पर अन्य प्रभारों और ब्याज सहित आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

कर्जदार का ध्यान उपलब्ध समय के संबंध में, प्रत्याभूत परिसंपत्ति को छुड़ाने के लिए, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों पर आकर्षित किया जाता है।

सम्पत्ति का विवरण

संपत्ति निहित प्लॉट सं. 22, तीसरा तल, बेहरा एन्क्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली – 110063 का संपूर्ण व सवांगीण भाग। **सीमांकन:**
उत्तर की ओर: प्लॉट सं. 21 दक्षिण की ओर: प्लॉट सं. 21
पूर्व की ओर: 200 फुट सड़क पश्चिम की ओर: सर्विस लैन
संग उस पर सभी भवन ऐर संरचनाओं और सभी प्लांट एवं संयंत्र जमीन से जुड़े या स्थायी रूप से जमीन से जुड़ी कोई भी वस्तु।

दिनांक : 25.03.2026
स्थान : नई दिल्ली

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लि.

पंजीकृत कार्यालयः दि रूबी, दसवीं मंजिल, 29, सेनापति बापट मार्ग, दादर (वेस्ट), मुम्बई-400028, दूरभाषः 022-66581300 www.arcil.co.in
CIN-U65999MH2002PLC134884 वेबसाइटः www.arcil.co.in

मांग सूचना

चूंकि **एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड** (जिसे यहां बाद में "एआरसीआईएल" कहा गया है) के अधिकृत अधिकारी कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक सम्पत्ति पुनर्गठन कंपनी है तथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (जिसे यहां बाद में "अधिनियम" कहा गया है) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है तथा चूंकि यहां नीचे तालिका में यथा उल्लेखित कर्जदार/सह-कर्जदारों ने विस्तार फाइनैंशियल सर्विसेस प्रा. लि. (वीएफएसपीएल) से ऋण हासिल किया है तथा चूंकि एआरसीआईएल ने यहां नीचे तालिका में उल्लेखित ऋण खाते से संबंधित वित्तीय सम्पत्तियों का अधिग्रहण किया है तथा चूंकि अधिनियम के अधीन प्रत्याभूत ऋणदाता के रूप में एआरसीआईएल तथा कथित अधिनियम की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 2 के अधीन प्राप्त शक्तियों के प्रयोग के तहत मांग सूचनाएं जारी की है, जिसमें यहां नीचे उल्लेखित कर्जदारों/सह-कर्जदारों को सूचना की तारीख से 60 दिनों के अंदर सूचनाओं में उल्लेखित रकम के साथ उस पर आगे के ब्याज की रकम चुकता करने को कहा गया है, परंतु विभिन्न कारणों से सूचनाएं उनमें से कुछ को तामिल नहीं की जा सकी।

खाता सं.	कर्जदारों तथा सह-कर्जदारों का नाम	कुल बकाया ऋण (रु. में)/वर्तमान तिथि को	मांग सूचना की तिथि
0255SBML 00742	1. रमेश कुमार 2. रश्मि रमेश कुमार	रु. 9,10,583.12/- 02-01-2026	03-01-2026
प्रत्याभूत सम्पत्ति का विवरणः ग्राम-सदुल्लाबाद परगना एवं तहसील लोनी तथा जिला चस्ताबेद, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा सं. 361 में से, स्थाई स्वामित्व वाला आवासीय फ्लैट सं. यूजीएफ-7, छत के अधिकार के बगैर, जिसका क्षेत्रफल का परिमाप 60:50 मीटर है, (जिसे यहां बाद में "कथित सम्पत्ति" कहा गया है)। **कथित सम्पत्ति की चौहद्दी बिक्री विलेख दिनांक 13.04.2021 के अनुसारः** पूर्व में: अन्य मालिक का प्लॉट, पश्चिम में: 30 फीट चौड़ा रास्ता, उत्तर में: प्लॉट का महत्वपूर्ण हिस्सा, दक्षिण में: प्लॉट सं. ई-2।			
0189SBML 02414	1. रिजवान अख्तर 2. दिलशाना बेगम 3. अख्तर अली	रु. 10,60,249.21/- 02-01-2026	03-01-2026
प्रत्याभूत सम्पत्ति का विवरणः पंजीयन जिला हथरस, सिकंदरा राव उप पंजीयन जिला, सिकंदरा राव तालुक, मोहल्ला दमदमा सर्वे वार्ड सं. 123, वाके मोहल्ला दमदमा में स्वतंत्र इकाई, नगर सिकंदरा राव, जिला हथरस, उत्तर प्रदेश-204215 में दिलशाना बेगम से संबंधित सम्पत्ति, जिसकी **चौहद्दी** निम्नानुसार हैं: पूर्व में: इब्राहिम की रिक्त भूमि, दक्षिण में: रास्ता समाप्त, पश्चिम में: सड़क, उत्तर में: बुंदू का मकान।			
0188SBML 02590	1. रुपेंद्र कुमार 2. कांति देवी शर्मा	रु. 2,21,887.61/- 17.01.2026	17-01-2026
प्रत्याभूत सम्पत्ति का विवरणः शीतला गली, कोतवाली वार्ड, शहर आगरा में स्थित मकान पुराना नं. 3501, नया नं. 16/3/1/3 का सम्पूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा, जिसके क्षेत्रफल का परिमाप 97.21 वर्ग मीटर है। **चौहद्दीः** पूर्व में: बोंटा चौधरी का मकान, पश्चिम में: 20 फीट रास्ता, उत्तर में: 20 फीट सड़क, दक्षिण में: हरि नारायण की सम्पत्ति। कुल क्षेत्रफल-97.21 वर्ग मीटर।			

एतदद्वारा ऊपर उल्लेखित कर्जदारों/सह-कर्जदारों को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के अंदर संबंधित कर्जदार/सह-कर्जदार के समक्ष यहां ऊपर उल्लेखित कुल बकाया रकम का भुगतान करने के लिए सूचित किया जाता है। कथित रकम वर्तमान तिथि तक संबंधित ऋण खाते के संबंध में देय पाई गई है। यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि कुल देय राशि, साथ में आगे के ब्याज तथा अन्य देय रकम, जो भुगतान की तारीख तक देय हो सकती है, का भुगतान नहीं किया जाता है, तो एआरसीआईएल को वर्णित संपत्तियों पर प्रतिभूति हित को लागू करने के लिए उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार अन्य तरीकों से सूचना को तामिल करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

स्थान : चस्ताबेद, हथरस, आगरा
तारीख : 26-03-2026

हस्ता/- अधिकृत अधिकारी
एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड
एआरसीआईएल - 2026 - 011 - ट्रस्ट

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN): U74899DL1951NPL001947
पंजीकृत कार्यालयः पीएचडी हाउस 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया अगस्त क्रांति मार्ग नई दिल्ली-110016
फोन नंबरः 91-11-49545454
वेबसाइटः **www.phdcci.in** ईमेल आईडीः **managingcommittee@phdcci.in**

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की असाधारण सामान्य बैठक और ई-वोटिंग सूचना

यह नोटिस देकर सूचित किया जाता है कि पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ("चैंबर/PHDCCI") के सदस्यों की असाधारण सामान्य बैठक ("**ईजीएम**") **गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026 को सायं 4:30 बजे (भारतीय मानक समय) इसके पंजीकृत कार्यालय, पीएचडी हाउस, 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली - 110016** में हाइब्रिड मोड (अर्थात भौतिक उपस्थिति एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("VC") / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम ("OAVM")) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। यह बैठक कंपनी अधिनियम, 2013 ("**अधिनियम**") तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुपालन में तथा सामान्य परिपत्र सं. 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020, 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल 2020, 20/2020 दिनांक 5 मई 2020, 11/2022 दिनांक 28 दिसंबर 2022, 09/2023 दिनांक 25 सितंबर 2023, 09/2024 दिनांक 19 सितंबर 2024 तथा 03/2025 दिनांक 22 सितंबर 2025 (सामूहिक रूप से "एमसीए परिपत्र") के साथ पढ़ते हुए, इस ईजीएम को बुलाने वाली सूचना ("**ईजीएम सूचना**") में निहित कार्यों के संपादन हेतु आयोजित की जा रही है।

अधिनियम की धारा 108 के साथ कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 के अनुपालन में, चैंबर ने ईजीएम के लिए रिमोट ई-वोटिंग/ई-वोटिंग ('ई-वोटिंग प्रक्रिया') की सुविधा प्रदान करने के लिए सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) को नियुक्त किया है।

चैंबर के सभी सदस्यों को उनके पंजीकृत ईमेल पतों पर ईजीएम सूचना ईमेल के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेज दी गई है। सूचना भेजने की प्रक्रिया बुधवार, 25 मार्च, 2026 को पूरी हो गई है। ईजीएम सूचना चैंबर की वेबसाइट www.phdcci.in और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड की वेबसाइट www.evoting.cdsl.in पर उपलब्ध है।

रिमोट ई-वोटिंग सोमवार, 6 अप्रैल, 2026 (प्रातः 9:00 बजे भारतीय मानक समय) से प्रारंभ होगी और बुधवार, 8 अप्रैल, 2026 (सायं 5:00 बजे भारतीय मानक समय) को समाप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम अथवा ईजीएम में मतदान की पात्रता निर्धारित करने की अंतिम तिथि गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026 है। जिन सदस्यों के नाम उक्त कट-ऑफ तिथि पर सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज हैं, वही रिमोट ई-वोटिंग सुविधा/ ई-वोटिंग (भौतिक मतदान सहित) का लाभ उठाने के पात्र होंगे। चैंबर, गारंटी द्वारा सीमित कंपनी होने के कारण, इसके पास कोई शेयर पूंजी नहीं है। अतः चैंबर के प्रत्येक सदस्य को एक मत का अधिकार होगा। उपर्युक्त तिथि एवं समय के पश्चात रिमोट ई-वोटिंग की अनुमति नहीं होगी। ई-वोटिंग के निर्देश सूचना में दिए गए हैं, जो चैंबर की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

जो कोई भी व्यक्ति सूचना भेजे जाने के पश्चात (किन्तु कट-ऑफ तिथि से पूर्व) चैंबर का सदस्य बनता है और जिसका नाम 2 अप्रैल, 2026 को सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज नहीं है, वह evoting@cdsl.in पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। ईजीएम में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। वे सदस्य जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ईजीएम में भाग लेंगे और जिन्होंने पूर्व में रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान नहीं किया है तथा जिन्हें ऐसा करने से रोका नहीं गया है, वे ईजीएम के दौरान ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने के पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त, केवल वे सदस्य जो ईजीएम में भौतिक रूप से (प्रॉक्सी सहित) उपस्थित होंगे और जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्ताव पर अपना मत नहीं दिया है तथा जिन्हें ऐसा करने से रोका नहीं गया है, वे ईजीएम में ई-वोटिंग प्रणाली या भौतिक मतदान के माध्यम से मतदान करने के पात्र होंगे।

जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान किया है, वे ईजीएम में भाग लेने के पात्र होंगे, किन्तु वे ईजीएम में पुनः मतदान नहीं कर सकेंगे। सदस्य केवल एक ही मतदान पद्धति का चयन कर सकते हैं, अर्थात रिमोट ई-वोटिंग या ईजीएम में ई-वोटिंग या ईजीएम में भौतिक मतदान। यदि सभी माध्यमों से मतदान किया जाता है, तो रिमोट ई-वोटिंग द्वारा डाला गया मत अंतिम माना जाएगा तथा ईजीएम में ई-वोटिंग/भौतिक मतदान के माध्यम से डाले गए मतों को मान्य नहीं माना जाएगा। यदि ईजीएम में ई-वोटिंग और भौतिक मतदान दोनों के माध्यम से मतदान किया जाता है, तो ईजीएम में ई-वोटिंग को अंतिम माना जाएगा तथा भौतिक मतदान को मान्य नहीं माना जाएगा। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान किया है, वे ईजीएम में भाग ले सकते हैं, किन्तु पुनः मतदान नहीं कर सकेंगे।

चैंबर ने श्री रूपेश कुमार अग्रवाल (सीपी: 5673), मैनेजिंग पार्टनर और उनकी अनुपस्थिति में, श्री शशिकांत तिवारी (सीपी: 13050), पार्टनर, चंद्रशेखरन एसोसिएट्स को अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार ईजीएम में रिमोट ई-वोटिंग और ई-वोटिंग (फिजिकल मतदान सहित) के संचालन के लिए स्क्रूटनाइज़र के रूप में नियुक्त किया है, ताकि वे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित किए जा सकें।

रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रश्न या शिकायत के लिए डॉ. रंजीत मेहता, सी.ई.ओ एवं महासचिव, पीएचडीसीसीआई, पीएचडी हाउस, 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली - 110016 पर संपर्क किया जा सकता है अथवा sg@phdcci.in पर ईमेल भेज सकते हैं या दूरभाष सं. 011-49545454 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सदस्य www.evotingindia.com के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध ई-वोटिंग संबंधी अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ) एवं उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका का भी संदर्भ ले सकते हैं।

कृते पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
हस्ता/-
(डॉ. रंजीत सिंह मेहता)
सी.ई.ओ एवं महासचिव

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 26 मार्च 2026